

सामान्य विज्ञान

जीव विज्ञान

वनपाल वनरक्षक
राजस्थान जीके
Imp PDF Notes
Click Here Website - rajasthanclasses.in

वनपाल वनरक्षक
गणित
Practice Set
यहां से करें
Free Download

See more pdf- <https://rajasthanclasses.in/>

Scanned with CamScanner

विज्ञान के महत्वपूर्ण तथ्य

→ जीव विज्ञान शब्द का प्रयोग -
सर्वप्रथम लैमार्क (फ्रांस) व वूवेरेनस (जर्मनी)
नामक वैज्ञानिकों ने 1801 में किया। ✓

→ जीव विज्ञान का जनक - अरस्तू

→ जन्तु विज्ञान का जनक - अरस्तू ✓

जीव विज्ञान का विकास इन्हीं दशकिक के काल में हुआ

→ आधुनिक वर्गीकरण का पिता → लीनियस

→ जीवधारियों का पाँच-जगत वर्गीकरण, व्हीटकर द्वारा ↓

① मोनेरा ② प्रोटिस्टा ③ पादप ④ कवक

⑤ जन्तु - मेटेजोआ भी कहते हैं।

→ जीवद्रव्य का नामकरण पुरकिन्जे के द्वारा सन्
1839 में किया गया।

→ जीव द्रव्य के 2 भाग → ① कोशिका द्रव्य ② केन्द्रक द्रव्य

→ जीवद्रव्य का लगभग 80% भाग जल होता है।

→ इसमें कार्बनिक व अकार्बनिक यौगिकों का अनुपात 81:19

- कोशिका अध्ययन को "Cytology" कहते हैं।
- एन्टोनवान लिवेनहॉक ने कोशिका को पहली बार देखा।
- कोशिका शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम अंग्रेज वैज्ञानिक रॉबर्ट हुक ने 1665 में किया।
- सबसे छोटी कोशिका जीवाणु "माइक्रोप्लाज्म गैलिसैलिकम" की है।
- सबसे लम्बी कोशिका शैवाल-तंत्र की कोशिका है।
- सबसे बड़ी कोशिका-शुतुरमुर्ग के अंडे की कोशिका
- सबसे पहले कोशिका सिद्धान्त का प्रतिपादन-1838-39 ई में मैथ्यस स्लाइडेन व थियोडर स्वान ने किया।
- पहली बार रडोल्फ विर्रो (1855) ने स्पष्ट किया कि कोशिका विभाजित भी होती हैं।
- कोशिका के दो प्रकार-① प्रोकैरियोटिक ② यूकैरियोटिक

→ DNA की द्विकुंडलित संरचना मॉडल का प्रतिपादन - जे. डी. वाटसन व क्रिक ने - 1953 में।
सन् 1962 में इन्हे नोबेल पुरस्कार भी मिला।

→ प्रयोगशाला में सर्वप्रथम DNA का संश्लेषण हरगोविन्द खुराना ने किया।

→ DNA से RNA का संश्लेषण होता है।

→ RNA के तीन प्रकार - r-RNA, t-RNA, m-RNA

→ प्रोटीन बनने की अंतिम क्रिया को ट्रांसलेशन कहा जाता है।

→ कोशिका विभाजन को सर्वप्रथम 1855 में विस्वाडने देखा।

→ समसूत्री विभाजन प्रक्रिया को सर्वप्रथम वाल्थेर फ्लेमिंग ने 1879 में देखा।
इस प्रक्रिया को माइटोसिस नाम दिया।

→ अर्द्धसूत्री विभाजन की खोज सर्वप्रथम - वीजमैन ने
सर्वप्रथम विस्तृत अध्ययन स्ट्रासबर्गर ने 1888 में।

→ आनुवंशिकता के बारे में सर्वप्रथम जानकारी आस्ट्रिया के जेगर जॉन मेंडल ने 1822-84 में दी

→ आनुवंशिकता का पिता - जेगर जॉन मेंडल

→ आनुवंशिकता शब्द - विलियम वाटसन ने दिया

→ जीन शब्द - विलहेल्म जोहान्सन ने दिया

→ मेंडल ने प्रयोग हेतु मटर पौधों का चुनाव किया।

→ मेंडल के तीन नियम

① प्रभाविता का नियम ② पृथकरण व ③ स्वतंत्र अपव्यूतन

→ गुणसूत्र का नामकरण - डल्यू वाल्टेवर ने 1888 ई.

→ जीनोम → गुणसूत्रों में पाये जाने वाले आनुवंशिक पदार्थ को जीनोम कहते हैं।

→ मनुष्यों में गुणसूत्रों की संख्या 46 होती है।

एस्केरिस में सबसे कम - 2 गुणसूत्र

टैरिडोफाइट्स में सर्वाधिक - 1300-1600 गुणसूत्र

→ आर्थर कोर्नबर्ग ने 1962 में डी एन ए पॉलीमरेज नामक एन्जाइम की खोज की।

→ कवक अध्ययन को "Mycology" कहा जाता है।

→ एफ्ला नामक विष कवक से बनते हैं।

→ लाइकेन - कवक व शैवालो से मिलकर बनती है।

→ लाइकेन का सर्वप्रथम प्रयोग ग्रीक-पियोफ्रेस्टस ने किया।

→ लाइकेन का अध्ययन - लाइकेनोलॉजी कहलाता है।

→ जीवाणु - खोज - 1683 ई. में, एन्टोनीवान ल्यूवेनहॉक

→ जीवाणु विज्ञान का पिता - ल्यूवेनहॉक

→ जीवाणु नाम → एहरेनबर्ग ने 1829 ई. में दिया

→ 1812-1892 ई. को लुई पाश्चर ने

श्वीज का टीका व दूध के पाश्चुराईजेशन की खोज।

→ विषाणु - खोज - इवानविस्की (रूस) - 1892 में

→ पारिस्थितिक तंत्र या पारितंत्र शब्द का प्रयोग

सर्वप्रथम टेसलै ने दिया - Ecosystem नाम

→ हेरोइन अफीम पोस्ता से प्राप्त की जाती है।

→ लौंग, फूल की कली से प्राप्त होती है।

→ कुर्न - सिनकोमा पादप के छाल से प्राप्त होता है।

→ विश्व का सबसे तेजी से बढ़ने वाला जल-पादप - हायासिंधु

→ पादप हार्मोन्स →

→ ऑक्सिन की खोज 1880 में डार्विन ने की।

→ जिबरेलिन - जापानी कुरोसावा ने 1926 में की।

→ साइरोकाइनिन - खोज - 1955 - मिलर ने।

→ एबसिसिक एसिड - खोज - 1961-65 → कार्नेव एडिगेर

→ एथिलीन - खोज - बर्ग - 1962

→ पारिस्थितिकी तंत्र के दो घटक

→ (A) जैविक घटक (B) अजैविक घटक

→ पारिस्थितिकी विज्ञान केन्द्र बंगलुरु में है।

→ जैविक घटक → ① उत्पादक ② उपभोक्ता ③ अपघटक

→ अजैविक घटक → ① कार्बनिक पदार्थ ② अकार्बनिक ③ जलवायवीय

→ खाद्य - श्रृंखला में मानव प्राथमिक एवं द्वितीयक उपभोक्ता है।

→ प्रदूषण मुख्यतः 5 प्रकार के है।

① वायु प्रदूषण ② जल प्रदूषण ③ ध्वनि प्रदूषण

④ मृदा प्रदूषण ⑤ नाभिकीय प्रदूषण।

पर्यावरण संस्थान

→ केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड - नई-दिल्ली

→ केन्द्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण - नई-दिल्ली

→ जी.बी.पंत हिमालय पर्यावरण स्व. विकास संस्थान

→ अल्मोडा - उत्तराखण्ड

→ भारतीय वन अनुसंधान एवं शिक्षण परिषद्

→ देहरादून - उत्तराखण्ड

→ भारतीय वन प्रबंधन संस्थान - भोपाल - MP

→ वन आनुवंशिकी तथा वृक्ष प्रजनन संस्थान

→ कोयम्बटूर - तमिलनाडु

→ वन उत्पादकता केन्द्र - रांची (झारखण्ड)

→ राष्ट्रीय विज्ञान औद्योगिकी संस्थान - फरीदाबाद (हरियाणा)

→ भारतीय वानस्पतिक सर्वेक्षण - कोलकाता (प.ब.)

→ भारतीय प्राणी विज्ञान सर्वेक्षण - कोलकाता प.ब.

→ आफरी व काजरा संस्थान - जोधपुर (राज.)

- विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को मनाया जाता।
- प्रथम विश्व पर्यावरण दिवस 1973 में मनाया गया।

* जीव विज्ञान के अध्ययन व शाखाएं

- एपीकल्चर - मधुमक्खी पालन का अध्ययन
- सेरीकल्चर - रेशम कीट पालन का अध्ययन
- पीसीकल्चर - मत्स्यपालन का अध्ययन
- माइकोलॉजी - कवकों का अध्ययन
- फाइकोलॉजी - शैवालों का अध्ययन
- एन्थोलॉजी - पुष्पों का अध्ययन
- पोमोलॉजी → फलों का अध्ययन
- आर्निथोलॉजी → पक्षियों का अध्ययन
- इक्थोलॉजी - मछलियों का अध्ययन
- एंटोमोलॉजी - कीटों का अध्ययन
- डेन्ड्रोलॉजी → वृक्षों व झाड़ियों का अध्ययन
- ओफियोलॉजी - सर्पों का अध्ययन
- सॉरोलॉजी → छिपकलियों का अध्ययन
- सिल्विकल्चर → काष्ठी पेड़ों का संवर्धन
- हॉर्टिकल्चर → उद्यान विज्ञान
- फ्लोरीकल्चर → फूलों की खेती।

→ मानव रक्त ←

→ मानव शरीर में रक्त की मात्रा शरीर के भाग का लगभग 7% होती है।

→ रक्त एक क्षारीय विलयन है। pH मान 7.35 होगा है।
→ वयस्क मनुष्य में औसतन 5-6 लीटर रक्त होगा है।

→ रक्त के दो प्रकार ① प्लाज्मा ② धिराणु

→ भोजन को मुख में लेना अन्तर्ग्रहण कहलाता है।
→ आमाशय में भोजन लगभग 5 घंटे तक रहता है।

→ भोजन के आमाशय में पहुंचने पर पार्श्विक ग्रन्थियों से ज्वर रस निकलता है -

→ यकृत - मानव शरीर की सबसे बड़ी ग्रन्थि है।
यकृत का वजन 1.5 से 2 kg तक होता है।

→ पित्त का पक्वाशय में गिरना, प्रतिवर्ती क्रिया द्वारा होता है।

→ पित्त का pH मान - 7.7 होता है।

→ आमाशय दूसरी बड़ी ग्रन्थि - pH मान - 7.5 से 8.3

→ इंसुलिन की खोज - फ्रेडरिक बेंटिंग व चार्ल्स बेटर ने 1921 में पहला इंसुलिन इंजेक्शन → 1922 में कनाडा के लियोनार्ड थाम्पसन को दिया।

→ रशियर में गल्लुकोज की मात्रा बढ़ना मधुमेह कहलाता है।

→ रक्त परिसंचरण की खोज - 1628 ई. में विलियम हार्वे ने

→ शरीर का सबसे व्यस्त अंग - हृदय, 2 कुल भार - 300 ग्राम तक।

→ मनुष्य का तंत्रिका तंत्र तीन भागों में विभक्त -

① केंद्रीय तंत्रिका तंत्र

② परिधीय तंत्रिका तंत्र

③ स्वायत्त या स्वाधीन तंत्रिका तंत्र

→ मनुष्य के मस्तिष्क का वजन 1400 ग्राम होता है।

→ दर्द, लड़खड़ाहट, लधा गरम को पहचानने का कार्य → थैलमस करता है।

→ सांस द्वारा लगभग 400 ml पानी प्रतिदिन मानव शरीर से बाहर निकलता है।

→ क्रेब्स चक्र की खोज हंस क्रेब ने सन् 1937 ई. में किया।

प्रोटीन - सर्वप्रथम इस शब्द का प्रयोग -
जे. वर्नेलियस ने किया।

मानव का शरीर लगभग 15% प्रोटीन से निर्मित है।

→ बच्चों में प्रोटीन की कमी से क्वेशियोर
एवं मरास्मस नामक रोग हो जाता है।

→ वसा

→ यह शरीर को ऊर्जा प्रदान करती है।

→ विभिन्न अंगों को चोरे से बचाती है।

→ 1 ग्राम वसा से 9.3 किलो कैलोरी ऊर्जा
उत्पन्न होती है।

→ विटामिन - अल्बर्ट फंक ने 1911 में किया।

→ कार्बनिक यौगिक, कैलोरी प्राप्त नहीं होती।

→ विटामिन B₁₂ में कोबाल्ट पाया जाता है।

→ विटामिन -A नेत्र, त्वचा, हड्डी व शरीर
की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूती प्रदान
करता है।

विटामिन की कमी से होने वाला रोग एवं उसके स्त्रोत

विटामिन	रासायनिक नाम	कमी से होने वाले रोग
A	रेटिनॉल	रतौंधी, जीरोव्हेलमिया
B	थायमिन	बेरी-बेरी
B ₂	राइबोफ्लेविन	खचाव जिवा का फटना
B ₃	नियासिन	पेलाग्रा, दाढ़, सिड्रोम
B ₅	पैन्टोथेनिक अम्ल	बाल सफेद व मंदबुद्धि
B ₆	पाइरीडॉक्सिन	एनीमिया व खचा रोग
B ₇	बायोटीन	लकवा, बालों का गिरना
B ₁₁	फॉलिक अम्ल	एनीमिया, पेचिश रोग
B ₁₂	सायनोकोबालामिन	एनीमिया, शंङु रोग
विटामिन-C	एस्कॉर्बिक एसिड	स्कर्वी, मसूढ़े का फूलना
D	कैल्सिफेरॉल	रिकेट्स, ऑस्टियोमलेरिया
E	टोकोफेरॉल	जनन शक्ति को कम होना
K	फिलोक्विनोन	खर का रक्कन बनना

Trick - अगले पेज में →

- विटामिन B और C जल में घुलनशील हैं।
- A, D, E, K वसा में घुलनशील हैं।
- विटामिन अलको में एन्टाइम का निर्माण करते हैं।

Trick - Best. Power of Tricks

शास्यनिक नाम → रथ पर एक ट्रॉफी

रोग नाम - हाथ रवा सरीन के खून आ गवा

विटामिन	शास्यनिक नाम	रोग नाम
A	र - रेटिनॉल	र - रतौंधी
B	ध - थायमिन	बा - बेरी बेरी
C	ए - एस्कोर्विक अम्ल	स - स्कर्वी
D	क - कैल्सिफिरोल	र - रिकेट्स
E	ले - टोकोफेरॉल	न - नपुसकता
R	फि - फिलोक्विनोन	खून → खून अ थक्का

Youtube RAJASTHAN CLASSES

- मानव रोग -

प्रोटोजोआ से होने वाला रोग

रोग -	प्रभावित अंग	वाहक मच्छर
मलेरिया -	तिल्ली व RBC	मादा एनाफिलीज
पायरिया -	मसूड़ों	
सोने की बीमारी -	मस्तिष्क	सी-सी- मक्खी
पंचिस -	आंत	
कालाजार -	आरक्षि-मज्जा	वाहू मक्खी

जीवाणु जनित रोग

Bacteria

बीमारी	जीवाणु नाम	प्रभावित अंग प्रभावित अंग
टिफेस	क्लॉस्ट्रीडियम टेटेनी	तंत्रिका तंत्र
हैजा	विब्रियो कोलेरी	आंत
टायफाइड	सालमोनेला टाइफी	आंत
क्षय रोग	माइकोबैक्टीरियम ट्यूबर्कुलोसिस	फेफड़ा
डिप्थीरिया	कोरीनी बैक्टीरियम डिप्थीरि	श्वासनली
प्लेग	पाश्चुरेला पेस्टिस	फेफड़ा
काली खांसी	हीमोफिलस परटूसिस	श्वासन तंत्र
निमोनिया	डिप्लोकोकस न्यूमोनी	फेफड़ा
कोद	माइकोबैक्टीरियम लेप्टी	त्वचा
गोनोरिया	नाइसेरिया गोनोरियाई	मूत्र मार्ग
सिफलिस	ट्रिपोनमा पैलिडम	शिशुन

→ मलेरिया शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग 1827 ई. में मेक्कुलाच ने किया।

→ परजीवी प्लाज्मोडियम की खोज-लेवरन (1880)

* विषाणु * जनित रोग

रोग बीमारी	प्रभावित अंग	विषाणु का नाम
① एड्स	प्रतिरक्षा प्रणाली	HIV

AIDS - Acquired Immuno deficiency Syndrome

① डेंगु ज्वर -	सम्पूर्ण शरीर दर्द -	अखा वायरस
② पोलियो -	जला, शीढ़, नाड़ी -	पोलियो
- इन्फ्लूएंजा -	सम्पूर्ण शरीर -	मिक्सो वायरस
- चेचक -	सम्पूर्ण शरीर -	वैरिओला वायरस
→ छोटी माता -	—	—
→ खसरा -	सम्पूर्ण शरीर -	मोर्बेली वायरस
→ रेबीज -	तंत्रिका तंत्र -	रेबो वायरस
→ हर्पीज -	त्वचा -	हर्पीस

→ जिका बुखार - जिका वायरस के कारण होता है।

- मनुष्यों में होने वाला आनुवंशिक रोग
- कान्धिया, हीमोफीलिया, टर्नर-सिंड्रोम
 - क्लिफेल्ड सिंड्रोम, डाउन सिंड्रोम
 - पराक सिंड्रोम

प्रमुख केन्द्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम

राष्ट्रीय आयोडीन अल्पता विकार नियंत्रण कार्य -	1962
राष्ट्रीय दृष्टिहीनता नियंत्रण कार्यक्रम -	1976
राष्ट्रीय कैंसर नियंत्रण कार्यक्रम -	1975-76
राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम -	1982
राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम -	1992
राष्ट्रीय तपेक्षिक नियंत्रण कार्यक्रम -	1997
प्रजनन एवं बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम -	1997
पल्स पोलियो कार्यक्रम -	1997
समान्वित रोग निगरानी परियोजना -	1997
जननी सुरक्षा योजना -	2003
वन्दे मातरम योजना -	2004

→ पोलियो वैक्सीन का विकास - 1952 - जोनक साल्क

- सबसे बड़ा जीवित पक्षी - शुतुरमुर्ग
- सबसे बड़ा कृपि - गोरिल्ला
- सबसे छोटा स्तनी - छिछूदर
- अंड जरायुज स्तनी - कंगारू
- सबसे व्यस्त मानव अंग - हृदय
- सबसे बड़ा जीवित सरीसृप - टर्टल (कछुआ)
- सबसे तेज उड़ने वाला पक्षी - कलियुंज पक्षी
- सबसे तेज दौड़ने वाला जंतु - चील
- सबसे बड़ा सर्प - पाइथन
- सबसे छोटा पक्षी - हंमिंग पक्षी
- सबसे बड़ा आण्डा - शुतुरमुर्ग
- सबसे ऊंचा स्तनी - जिराफ (अफ्रीका)
- सबसे बड़ा व भारी स्तनी - नीली चहेल
- सबसे बड़ा स्थली स्तनी - अफ्रीकी हाथी
- अंडप्रजक स्तनी - एकिडना व डुविल्लेटीपस
- सबसे बड़ा समुद्री पक्षी - एल्बाट्रास (पंख-10-12 फीट)
- सबसे तेज तंत्रिका आवेग 532 किमी/घंटा होती।
- मनुष्य फेफड़े का आंतरिक क्षेत्रफल - 93 वर्गमीटर
- शरीर के बाह्य क्षेत्रफल का 40 गुना होता है।
- गुर्दे का भार लगभग 140 ग्राम होता है।
- छोटी आंख 3 मीटर लम्बी, व्यास - 2.5 cm होता है।
- सांस के दौरान 500 मिली. एबा अंदर जाती है।
- नख, खुर, और सींग किरैटिन उत्क के बने होते हैं।

आविष्कार	आविष्कारक
विटामिन	फंक
विटामिन 'बी'	मैकुलन
विटामिन 'डी'	हॉपकिन्स
स्ट्रैप्टोमाइसिन	बॉम्समैन
होम्योपैथी	हैनीमैन
ओपन हार्ट सर्जरी	वाल्डलिलेहल
प्रथम परखनली शिशु	एडवर्ड्स एवं स्टेप्टो
एंटीजन	लैडस्टीनर
क्लोरोफॉर्म	हेरिसन तथा सिम्पसन
टेरामाइसिन	फिनेल
डायबिटीज	बेटिंग
पोलियो वैक्सीन	जॉन इ. साल्क
बैक्टीरिया	ल्यूवेनहॉक
आर. एन. ए.	जेम्स वाटसन तथा आर्थर अर्ग
मलेरिया परजीवी व चिकित्सा	रोनाल्ड रॉस
विटामिन 'ए'	मैकुलन
विटामिन 'सी'	होल्कट
सल्फा ड्रग्स	डागमैक
हृदय प्रत्यारोपण	क्रिश्चियन बर्नार्ड
लिंग हॉर्मोन	स्टेनाच
गर्भनिरोधक गोलियाँ	पिनकस
इलेक्ट्रोकार्डियोग्राफ	आइन्डोवन
इंसुलिन	बेटिंग
चेचक का टीका	एडवर्ड जेनर
टी. बी. बैक्टीरिया	रॉबर्ट कोच
पेनिसिलीन	अलेक्जेंडर फ्लेमिंग
बी. सी. जी.	यूरिन कालमेट
रक्त परिवर्तन	कार्ल-लैडस्टीनर
डी. एन. ए.	जेम्स वाटसन तथा क्रिक
पेचिश तथा प्लेग की चिकित्सा	किटाजाटोज
जम्पिंग जीन सिद्धांत	बारबरा मैक्लिन्टॉक
रेग्युलेटरी जीन सिद्धांत	जैकब और मोनॉड
DNA संश्लेषण	कॉर्नबर्ग
प्राकृतिक वरणवाद	चार्ल्स डार्विन
स्टेथोस्कोप का आविष्कार	लैनेक
चेचक का टीका (प्रतिरक्षण तकनीक)	एडवर्ड जेनर
हृदय का प्रथम प्रतिस्थापन	क्रिश्चियन बर्नार्ड
होम्योपैथी के संस्थापक	हाइनेमैन
पुनरावर्तन सिद्धांत	अन्स्ट हैकेल
लेप्रॉसी बेसिलस का आविष्कार	हेन्सेन
रेबीजरोधी टीका	लुई पाश्चर
आधुनिक ऐन्टीसेप्टिक सर्जरी का जनक	लिस्टर
प्रथम ऐन्टीबायोटिक (पेनिसिलिन)	ए फ्लेमिंग
की खोज	

विटामिन की कमी से होने वाला रोग एवं उसके स्रोत

विटामिन	रासायनिक नाम	कमी से होने वाला रोग	स्रोत
विटामिन-A	रेटिनाल	रतींधी, संक्रमणों का खतरा, जीरोथैलमिया	दूध, अंडा, पनीर, हरी साग सब्जी, मछलीयकृत तेल
विटामिन-B ₁	थायमिन	बेरी-बेरी	मूँगफली, तिल, सूखा मिर्च, बिना चुकी दाल, यकृत अंडा एवं सब्जियाँ
विटामिन-B ₂	राइबोफ्लेविन	त्वचा का फटना, आँखों का लाल होना, जिह्वा का फटना	खमीर, कलेजी, मांस, हरी सब्जियाँ, दूध
विटामिन-B ₃	निकोटिनामाइड या नियॉसिन	पेलाग्रा (त्वचा दाद) या 4-D-सिंड्रोम	मांस, मूँगफली, आलू, टमाटर, पत्ती वाली सब्जियाँ
विटामिन-B ₅	पैन्टोथेनिक अम्ल	बाल सफेद होना, मंद बुद्धि होना	मांस, दूध, मूँगफली, गन्ना, टमाटर
विटामिन-B ₆	पाइरीडॉक्सिन	एनीमिया, त्वचा रोग	यकृत, मांस, अनाज
विटामिन-B ₇	बायोटीन	लकवा, शरीर में दर्द, बालों का गिरना	मांस, अंडा, यकृत, दूध
विटामिन-B ₁₁	फॉलिक अम्ल	एनीमिया, पेचिश रोग	दाल, यकृत, सब्जियाँ, अण्डा, सेम
विटामिन-B ₁₂	साएनोकाबालामिन	एनीमिया, पांडुरोग	मांस, कलेजी, दूध
विटामिन-C	एस्कॉर्बिक एसिड	स्कर्वी, मसूढ़े का फुलना	नींबू, संतरा, नारंगी, टमाटर, खट्टे पदार्थ, मिर्च, अंकुरित अनाज
विटामिन-D	कैल्सिफेरॉल	रिकेट्स (बच्चों में)	मछलीयकृत तेल, दूध, अण्डे
विटामिन-E	टोकॉफेरॉल	ऑस्टियोमलेशिया (वयस्क में)	पत्ती वाली सब्जियाँ, दूध, मक्खन, अंकुरित गेहूँ, वनस्पति तेल
विटामिन-K	फिलोक्विनोन	जनन शक्ति का कम होना रक्त का थक्का न बनना	टमाटर, हरी सब्जियाँ, आँतों में भी उत्पन्न होती है।

नोट : पानी में आर्सेनिक-विष के कारण कैराटोसिस नामक बीमारी होती है।

12. मानव रोग

परजीवी (Protozoa) द्वारा होने वाला रोग

क्र.	रोग	प्रभावित अंग	परजीवी	वाहक मच्छर	लक्षण
1.	मलेरिया	तिल्ली एवं RBC	प्लाज्मोडियम	मादा एनाफ्लीज	ठंड के साथ बुखार
2.	पायरिया	मसूढ़ों	एन्टी अमीबा जिन्जिवेलिस	—	मसूढ़ों से रक्त का निकलना
3.	सोने की बीमारी	मस्तिष्क	ट्रिपेनोसोमा	सी-सी मक्खी (Tse-Tse)	बहुत नांद के साथ बुखार
4.	पेचिस	आँत	एन्टी अमीबा हिस्टोलिटिका	—	श्लेष्मा एवं खून के साथ दस्त
5.	काला-जार	अस्थि-मज्जा	लीशमैनिया डोनावानी	बालू-मक्खी	तेज बुखार

जीवाणु (Bacteria) के द्वारा होने वाला रोग

बीमारी	प्रभावित अंग	जीवाणु के नाम	लक्षण
टिटनेस	तंत्रिका तंत्र	क्लॉस्ट्रीडियम टेटेनी	तेज बुखार, शरीर में ऐंठन, जबड़ा बन्द होना
हैजा	आँत	विब्रियो कॉलेरी	लगातार दस्त और उल्टियाँ
टायफाइड	आँत	सालमोनेला टाइफी	तेज बुखार, सिर-दर्द
क्षय रोग	फेफड़ा	माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस	बार-बार खाँसी के साथ कफ, रक्त निकलना
डिप्थीरिया	श्वास नली	कोरीनी बैक्टीरियम डिप्थीरी	साँस लेने में कठिनाई एवं दम घुटना
प्लेग	फेफड़ा, कारव दोनों पैर के बीच	पाश्चुरेला पेस्टिस	बहुत तेज बुखार, शरीर पर गिल्टियाँ
काली खाँसी	श्वसन तंत्र	हीमोफिलस परटूसिस	लगातार खाँसी आना
निमोनिया	फेफड़ा	डिप्लोकोकस न्यूमोनी	तेज बुखार, फेफड़ों में सूजन
कोढ़	तंत्रिका-तंत्र त्वचा	माइकोबैक्टीरियम लेप्री	शरीर पर चकत्ते, तंत्रिकाएँ प्रभावित
गोनोरिया	मूत्र मार्ग	नाइसेरिया गोनोरियाई	मूत्र-मार्ग में सूजन
सिफलिस	शिश्न	टैपोनमा पैलिडम	शिश्न में घाव

आ जाती है। इसके उपचार में कुनैन, पेलुडीन, क्लोरोक्वीन, पीमाक्वीन औषधि लेनी चाहिए।

विषाणु (Virus) के द्वारा होने वाली बीमारी

क्र. बीमारी	प्रभावित अंग	विषाणु के नाम	लक्षण
1. एड्स (AIDS)*	प्रतिरक्षा प्रणाली (WBC)	HIV	रोग-प्रतिरोधक क्षमता का नष्ट होना
2. डेंगू ज्वर (हड्डी तोड़ बुखार)	सम्पूर्ण शरीर खास कर सिर, आँख एवं जोड़	अरबो वायरस	आँखों, पेशियों, सिर तथा जोड़ों में दर्द
3. पोलियो	गला, रीढ़, नाड़ी संस्थान	पोलियो	ज्वर, बदन में दर्द, रीढ़ की हड्डी आँत की कोशिकाएँ नष्ट हो जाती हैं।
4. इन्फ्लूएंजा	सम्पूर्ण शरीर	मिक्सो वाइरस (ABC)	गलशोथ, छींक, बैचेनी
5. चेचक	सम्पूर्ण शरीर	वैरिओला वायरस	तेज-बुखार, शरीर पर लाल-लाल दाने
6. छोटी माता	सम्पूर्ण शरीर	वैरिसेला वायरस	हल्का बुखार, शरीर पर पित्तिकाएँ
7. गलशोथ	पैराथाराइड ग्रंथि	—	ज्वर के साथ मुँह खोलने में कठिनाई
8. खसरा	सम्पूर्ण शरीर	मोर्बिली वायरस	शरीर पर लाल दाना
9. ट्रेकोमा	आँख	—	आँख लाल होना, आँख में दर्द
10. हिपेटाइटिस या पीलिया	यकृत	—	पेशाब पीला, आँख एवं त्वचा पीला हो जाता है।
11. रेबीज	तंत्रिका-तंत्र	रेब्डो वायरस	रोगी पागल हो जाता है, जीभ बाहर निकालता है
12. मेनिनजाइटिस	मस्तिष्क	—	तेज बुखार
13. हर्पीज (Immuno deficiency syndrome)	त्वचा	हर्पीस	त्वचा में सूजन हो जाती है।

14. विज्ञान की कुछ प्रमुख शाखाएँ

एनाटॉमी (Anatomy)	यह जीव विज्ञान की वह शाखा है, जो शरीर की आंतरिक संरचना से सम्बन्धित है।
एन्थ्रोपोलॉजी (Anthropology)	यह विज्ञान की वह शाखा है जिसमें मानव के विकास, रीति-रिवाज, इतिहास, परम्पराओं से सम्बन्धित विषयों का अध्ययन किया जाता है।
एस्ट्रोलॉजी (Astrology)	यह विज्ञान मानव के जीवन पर विभिन्न नक्षत्रों के प्रभावों का अध्ययन करता है, इसे ज्योतिषशास्त्र भी कहते हैं।
एस्ट्रोनोमी	यह खगोलीय पिण्डों का अध्ययन करने वाला विज्ञान है।
सिरेमिक्स (Ceramics)	यह टेक्नोलॉजी की वह शाखा है जो चीनी मिट्टी के बर्तन तैयार करने से सम्बन्धित है।
ओन्कोलॉजी	कैंसर का अध्ययन
यूजेनिक्स (Eugenics)	आनुवंशिक घटकों में फेर-बदल के कारण मनुष्य में हुए परिवर्तन
एपिडेमियोलॉजी	महामारी रोग के अध्ययन से संबंधित है।
ऐरिनियोलॉजी	मकड़ों का अध्ययन
कीमोथेरेपी (Chemotherapy)	यह चिकित्सा विज्ञान की वह शाखा है जिसमें रासायनिक यौगिकों से उपचार किया जाता है।
कोस्मोलॉजी (Cosmology)	यह समस्त ब्रह्माण्ड का अध्ययन करने वाली विज्ञान की एक शाखा है।
क्रायोजेनिक्स (Cryogenics)	यह निम्न ताप के विभिन्न प्रयोगों तथा नियंत्रणों का अध्ययन करने वाला विज्ञान है।
इकोलॉजी (Ecology)	यह विज्ञान वनस्पतियों तथा प्राणियों के पर्यावरण या प्रकृति से सम्बन्धों का अध्ययन करता है।
एन्टोमोलॉजी (Entomology)	जन्तु विज्ञान की यह शाखा कीट-पतंगों का व्यापक अध्ययन करती है।
एपीडीमियोलॉजी	

एक्स-बायोलॉजी (Ex-biology)	इसमें पृथ्वी को छोड़कर अन्य ग्रहों व उपग्रहों पर जीवन की संभावनाओं का अध्ययन किया जाता है।
जियोलॉजी (Geology)	भूगर्भ सम्बन्धी अध्ययन, उसकी बनावट, संरचना आदि का अध्ययन इस विज्ञान के द्वारा किया जाता है।
जिरोन्टोलॉजी (Gerontology)	वृद्धावस्था से सम्बन्धित तथ्यों का अध्ययन इस विज्ञान के द्वारा किया जाता है।
होर्टीकल्चर (Horticulture)	फल-फूल व साग-सब्जी उगाने, बाग लगाने, पुष्प उत्पादन का अध्ययन इस विज्ञान के द्वारा किया जाता है।
हाइड्रोपैथी	इस विज्ञान के द्वारा पानी से रोगों की चिकित्सा होती है।
हाइजीन (Hygiene)	स्वास्थ्य की देखभाल करने वाला यह स्वास्थ्य का विज्ञान है।
होलोग्राफी (Holography)	यह लेजर पुञ्ज की सहायता से त्रिविमीय चित्र बनाने वाली एक विधि है।
होरोलॉजी	यह समय मापने वाला विज्ञान है।
मैमोग्राफी (Mammography)	यह स्त्रियों में पाये जाने वाले ब्रेस्ट कैंसर की जाँच करने वाले चिकित्सा विज्ञान की शाखा है।
मीट्रियोलॉजी (Metreology)	मौसम की दशाओं में होने वाली क्रियाओं व परिवर्तनों का अध्ययन इस विज्ञान के द्वारा किया जाता है।
मॉर्फोलॉजी (Morphology)	पृथ्वी पर पाये जाने वाले प्राणियों तथा पौधों की संरचना, रूप, प्रकार आदि का अध्ययन इस विज्ञान के द्वारा किया जाता है।
न्यूरोलॉजी (Neurology)	मानव शरीर की नाड़ियों या तंत्रिकाओं का अध्ययन तथा उपचार इस विज्ञान के द्वारा किया जाता है।
ओडोन्टोग्राफी (Odontography)	दौंतों का अध्ययन करने वाली चिकित्सा विज्ञान की यह एक शाखा है।
ऑप्टिक्स (Optics)	प्रकाश के प्रकार व गुणों का अध्ययन करने वाले भौतिकशास्त्र की यह एक शाखा है।
ऑर्निथोलॉजी (Ornithology)	इस विज्ञान में पक्षियों से सम्बन्धित अध्ययन किया जाता है।

ऑस्टियोलॉजी (Osteology)	प्राणिविज्ञान की इस शाखा में हड्डियों का अध्ययन किया जाता है।
पोमोलॉजी	यह विज्ञान फलों के अध्ययन से सम्बन्धित है।
सिस्मोलॉजी (Seismology)	विज्ञान की इस शाखा द्वारा भूकम्पों का अध्ययन किया जाता है।
एरोनॉटिक्स (Aeronautics)	इस विज्ञान की शाखा के अन्तर्गत वायुयान सम्बन्धी तथ्यों का अध्ययन होता है।
एस्थेटिक्स (Esthetics)	इस शाखा के अन्तर्गत सौन्दर्य (ललित कला) शास्त्र का अध्ययन होता है।
एग्रोस्टोलॉजी	यह घासों से सम्बन्धित विज्ञान की शाखा है।
अर्बोरीकल्चर	यह वृक्ष उत्पादन सम्बन्धी विज्ञान की शाखा है।
ऑर्कियोलॉजी	यह पुरातत्व सम्बन्धी विज्ञान की शाखा है।
एस्ट्रोफिजिक्स (Astrophysics)	यह नक्षत्रों के भौतिक रूप से सम्बन्धित खगोलीय अर्थात् खगोल भौतिकी विज्ञान की शाखा है।
कैलिस्थेनिक्स (Calisthenics)	इस शाखा के अन्तर्गत शारीरिक सौन्दर्य एवं शक्तिवर्धक व्यायामों की विधियों सम्बन्धी ज्ञान का अध्ययन होता है।
कान्कोलॉजी (Conchology)	इस शाखा के अन्तर्गत शंखविज्ञान (मोलस्क विज्ञान) का अध्ययन होता है।
कास्मोगोनी (Cosmogony)	इस शाखा के अन्तर्गत ब्रह्माण्डोत्पत्ति सिद्धान्त का अध्ययन होता है।
कास्मोग्राफी (Cosmography)	इस शाखा के अन्तर्गत विश्व-रचना सम्बन्धी ज्ञान का अध्ययन होता है।
क्रिप्टोग्राफी (Cryptography)	इस शाखा के अन्तर्गत गूढ़ लेखन या बीजलेखन सम्बन्धी ज्ञान का अध्ययन होता है।
एपीग्राफी (Epigraphy)	इस शाखा के अन्तर्गत शिलालेख सम्बन्धी ज्ञान का अध्ययन होता है।
एथनोग्राफी (Ethnography)	इस शाखा के अन्तर्गत मानव जाति का अध्ययन होता है।
इथोलॉजी (Ethology)	इस शाखा के अन्तर्गत प्राणियों के आचार तथा व्यवहार का अध्ययन होता है।
जीनीकोलॉजी (Genecology)	इस शाखा के अन्तर्गत जीवों की जातियों के विभेदों का अध्ययन होता है।
जियोडेसी (Geodesy)	इस शाखा के अन्तर्गत भूगणित ज्ञान का अध्ययन किया जाता है।

(Ethnology)	इस शाखा के अन्तर्गत प्राणियों के आचार तथा व्यवहार का अध्ययन होता है।
इथोलॉजी (Ethology)	इस शाखा के अन्तर्गत जीवों की जातियों के विभेदों का अध्ययन होता है।
जीनीकोलॉजी (Genecology)	इस शाखा के अन्तर्गत भूगणित ज्ञान का अध्ययन किया जाता है।
जियोडेसी (Geodesy)	यह औषधि शास्त्र की वह शाखा है, जो जलवायु व वातावरण का स्वास्थ्य पर प्रभाव का अध्ययन करती है।
जियोमेडिसिन (Geomedicine)	सूर्य के प्रभाव से चिकित्सा करने की प्रक्रिया को कहते हैं।
हीलियोथेरेपी (Heliotherapy)	इस शाखा के अन्तर्गत जल संवर्धन का अध्ययन किया जाता है।
हाइड्रोपोनिक्स (Hydroponics)	इस शाखा के अन्तर्गत द्रवस्थैतिक का अध्ययन होता है।
हाइड्रोस्टेटिक्स	यह शब्दकोश संकलन तथा लिखने की कला है।
लेक्सीकोग्राफी	यह विज्ञान की वह शाखा है जिसमें अंकों का अध्ययन किया जाता है।
न्यूमेरोलॉजी (Numerology)	इस विज्ञान की शाखा के अन्तर्गत पुराने सिक्कों (Coins) का अध्ययन होता है।
न्यूमिसमेटिक्स (Numismatics)	इन शाखा के अन्तर्गत शैवालों (Algae) का अध्ययन होता है।
फाइकोलॉजी (Phycology)	इस शाखा के अन्तर्गत चन्द्रमा के मूल स्वरूप तथा गति के वर्णन का अध्ययन किया जाता है।
सेलीनोलॉजी (Selinology)	इस शाखा के अन्तर्गत रेशम के कीड़े के पालन और उनसे रेशम के उत्पादन का अध्ययन होता है।
सेरीकल्चर (Sericulture)	इस शाखा के अन्तर्गत मानसिक संक्रमण की प्रक्रिया का अध्ययन होता है।
टेलीपैथी (Telepathy)	नींद का अध्ययन।
हिप्नोलॉजी	इस शाखा के अन्तर्गत विषों के बारे में अध्ययन होता है।
टोक्सीकोलॉजी	

वनपाल वनरक्षक 2022

अब टॉपिक वाइज पढना और आसान

सम्पूर्ण कोर्स

निशुल्क यहां से करे डाउनलोड

वनपाल वनरक्षक

राजस्थान जीके

Imp PDF Notes

Click Here

Website - rajasthanclasses.in

वनपाल वनरक्षक

गणित


Practice Set

यहां से करे

Free Download

वनपाल वनरक्षक
भारत सामान्य ज्ञान
Imp PDF Notes
Click Here

Website - rajasthanclasses.in

वनपाल  **वनरक्षक**
सामान्य विज्ञान
PDF Notes
Free Download

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

You Tube

Youtube Live - RAJASTHAN CLASSES

7:00 AM - ब्रम्हास्र हूबहू पेपर

9:00 AM - भारत सामान्य ज्ञान

5:00 PM - सामान्य विज्ञान

8:00 PM - राजस्थान GK



RAJASTHAN CLASSES

वनपाल  वनरक्षक

Admit Card
Date



Download

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

वनपाल - वनरक्षक

विशेष सामग्री

वन्यजीव, पर्यावरण, वन

यहां से डाउनलोड करें

वनपाल - वनरक्षक

परीक्षा 6/12/13 नवम्बर


मॉडल पेपर

यहां से डाउनलोड 

7:00 & 9:00 AM | CLASS | 5:00 & 8:00 PM



PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।



SSC Exam's
CGL-CHSL-MTS-GD
Top Questions

Latest Job's Update

See All Update

Exam Date News

राजस्थान पुलिस कांस्टेबल
Complete Course
~~**301/-**~~ **Now Free**

PTET 2022
Complete Course
यहां से डाउनलोड करें

वनरक्षक वनपाल 
सम्पूर्ण कोर्स
अब वही लेना तय 

BSTC 2022
Complete Course
यहां से डाउनलोड करें

राजस्थान सामान्य ज्ञान
हस्तलिखित नोट्स
निशुल्क डाउनलोड

भारत सामान्य ज्ञान
सम्पूर्ण टेस्ट क्विज
अपनी तैयारी को परखें

राजस्थान सामान्य ज्ञान
All Test Quiz
For All Exam's

टॉप 1000 प्रश्न
ई - बुक सामान्य ज्ञान
डाउनलोड कर लो

राजस्थान सामान्य ज्ञान
Free - E-Book-1
For PTET-BSTC-RAS-LDC
पटवारी, वनरक्षक, ग्रामसेवक, कृषि पर्यवेक्षक

 **YouTube**
Live

इन्हें भी अवश्य पढ़ें ?

- [वषयवार ई- बुक यहाँ से देखे](#)
- [Youtube पर ऑनलाइन क्लासे देखे](#)
- [लेटेस्ट पोस्ट \(GK क्विज\)](#)
- [1000 प्रश्न ई-बुक Download](#)
- [राजस्थान GK ई- बुक डाउनलोड](#)
- [Computer E- book Download](#)
- [Rajasthan Gk Questions](#)
- [India Gk Questions](#)
- [One Liner Gk Questions](#)